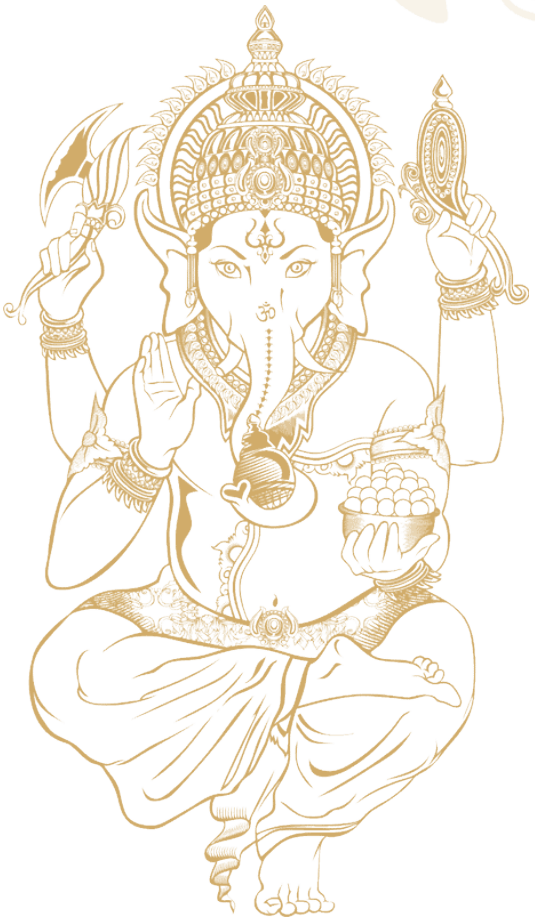

Avni

03 Jul 2013

11:58 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120926603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/07/2013**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:58:00 घंटे**
इष्ट	16:15:12 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:37:12 घंटे
वेलान्तर	-00:04:14 घंटे
साम्पातिक काल	06:22:59 घंटे
सूर्योदय	05:27:55 घंटे
सूर्यास्त	19:21:56 घंटे
दिनमान	13:54:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:26:58 मिथुन
लग्न के अंश	11:01:34 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	धृति
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:01:34	318:31:03	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	17:26:58	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	सम राशि
चंद्र			मेष	22:33:29	12:01:52	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			वृष	28:56:11	00:41:10	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	मिथु	27:25:51	00:27:41	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	07:35:39	00:13:39	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	12:41:37	01:12:43	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		तुला	10:47:21	00:00:29	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		तुला	21:26:45	00:00:08	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:26:45	00:00:08	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मीन	18:23:17	00:00:42	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	---
नेप	व		कुंभ	11:08:54	00:00:48	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	16:12:38	00:01:31	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
दशम भाव			मिथु	11:13:43	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:57

लग्न-चलित

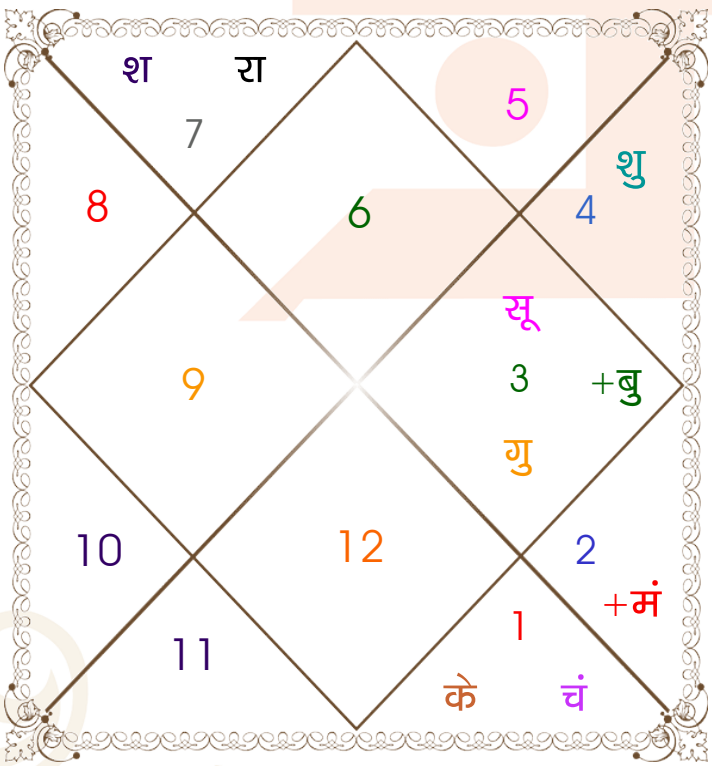

चन्द्र कुंडली

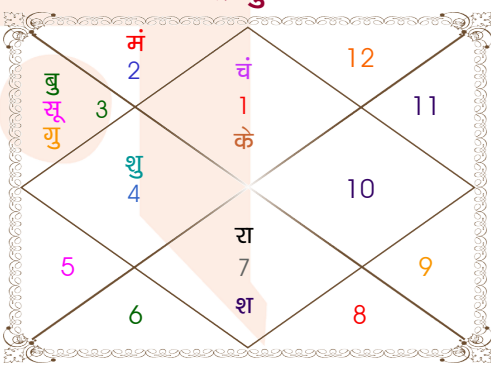

नवमांश कुंडली

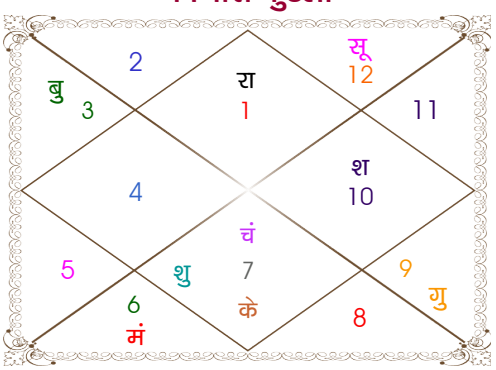

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 1 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/07/2013		01/09/2019		31/08/2025		01/09/2035		01/09/2042	
01/09/2019		31/08/2025		01/09/2035		01/09/2042		31/08/2060	
	00/00/0000	सूर्य	20/12/2019	चंद्र	02/07/2026	मंगल	28/01/2036	राहु	14/05/2045
	00/00/0000	चंद्र	19/06/2020	मंगल	31/01/2027	राहु	15/02/2037	गुरु	07/10/2047
	00/00/0000	मंगल	25/10/2020	राहु	01/08/2028	गुरु	22/01/2038	शनि	13/08/2050
	00/00/0000	राहु	19/09/2021	गुरु	01/12/2029	शनि	02/03/2039	बुध	02/03/2053
	00/00/0000	गुरु	08/07/2022	शनि	02/07/2031	बुध	28/02/2040	केतु	20/03/2054
	03/07/2013	शनि	20/06/2023	बुध	01/12/2032	केतु	26/07/2040	शुक्र	20/03/2057
शनि	01/09/2015	बुध	25/04/2024	केतु	02/07/2033	शुक्र	25/09/2041	सूर्य	12/02/2058
बुध	02/07/2018	केतु	31/08/2024	शुक्र	02/03/2035	सूर्य	31/01/2042	चंद्र	14/08/2059
केतु	01/09/2019	शुक्र	31/08/2025	सूर्य	01/09/2035	चंद्र	01/09/2042	मंगल	31/08/2060

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
31/08/2060		31/08/2076		01/09/2095		01/09/2112		02/09/2119	
31/08/2076		01/09/2095		01/09/2112		02/09/2119		00/00/0000	
गुरु	19/10/2062	शनि	04/09/2079	बुध	28/01/2098	केतु	28/01/2113	शुक्र	01/01/2123
शनि	02/05/2065	बुध	14/05/2082	केतु	25/01/2099	शुक्र	30/03/2114	सूर्य	02/01/2124
बुध	08/08/2067	केतु	23/06/2083	शुक्र	26/11/2101	सूर्य	05/08/2114	चंद्र	01/09/2125
केतु	14/07/2068	शुक्र	23/08/2086	सूर्य	02/10/2102	चंद्र	06/03/2115	मंगल	02/11/2126
शुक्र	15/03/2071	सूर्य	05/08/2087	चंद्र	03/03/2104	मंगल	03/08/2115	राहु	01/11/2129
सूर्य	01/01/2072	चंद्र	05/03/2089	मंगल	28/02/2105	राहु	20/08/2116	गुरु	02/07/2132
चंद्र	02/05/2073	मंगल	14/04/2090	राहु	17/09/2107	गुरु	27/07/2117	शनि	04/07/2133
मंगल	08/04/2074	राहु	18/02/2093	गुरु	23/12/2109	शनि	05/09/2118		00/00/0000
राहु	31/08/2076	गुरु	01/09/2095	शनि	01/09/2112	बुध	02/09/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 2 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।